पंजाबी लड़के और शहरी लड़की की चुदाई स्टोरी

“उसको देखते ही मेरा दिल उस पर आ गया था, उस पर भी चढ़ती जवानी का नशा था तो हमारी कहानी सेट हो गई. पंजाबी लड़के और शहरी लड़की की चुदाई स्टोरी का मजा लें ! …”

Story By: sandy Sharma (sandy.sharma)
Posted: रविवार, नवम्बर 26th, 2017
Categories: जवान लड़की
Online version: पंजाबी लड़के और शहरी लड़की की चुदाई स्टोरी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पंजाबी लड़के और शहरी लड़की की चुदाई स्टोरी

मैं हूँ संदीप शर्मा.. आयु 21 साल, पंजाब के जिला मोगा के एक छोटे से गाँव का रहने वाला हूँ.
यह बात उस समय की है जब मैंने अपनी बारहवीं क्लास पंजाब के ही एक स्कूल से पास की थी और मैं अपने कैरियर को आगे बनाने के लिए किसी खोज में था. उसी समय मुझे अपना गाँव छोड़ कर अपनी बुआ जी के यहाँ जाना पड़ा.
अब आप सब जानते ही हैं कि गाँव के लड़के इतने स्मार्ट और इंटेलीजेंट तो होते नहीं हैं, पर फिर भी मैं इंग्लिश और मैथ में काफी होशियार था. जिसका फायदा मुझे आगे जाकर एक नौकरी के रूप में मिल गया. यह नौकरी एक बहुउपयोगी बिल्डिंग में मिली थी, जिसका मुख्य काम घरेलू और औरतों की सभी चीजें डायरेक्ट उनके घर में सप्लाई करना था.

क्योंकि मैं अभी नया था, तो मेरा काम नजदीक के घरों तक ही सीमित रहा. इसी दौरान मेरी मुलाकात उस हसीना से हुई, जिसे देखने के बाद मेरा मुँह खुला का खुला रह गया. उसका नाम रश्मि था, उम्र 19 साल, रंग एकदम दूध सा सफ़ेद.. और सांचे में ढला हुआ मस्त फिगर था.

उस दिन मैं उनके घर कुछ सामान देने के लिए गया था और अहोभाग्य कि आंटी जी घर पर नहीं थीं. उसने बहुत ही अच्छे से मेरा अभिवादन किया और चाय देने के बाद अपना सामान व बिल लेने के बाद वापिस अपने कमरे में चली गई.
उसको देखते ही मेरा दिल उस पर आ चुका था, पता करने पर पता चला कि वो इस घर में सिर्फ अपनी माँ के साथ ही रहती है, उसकी बड़ी बहन रोमा पटियाला यूनिवर्सिटी कैंपस में

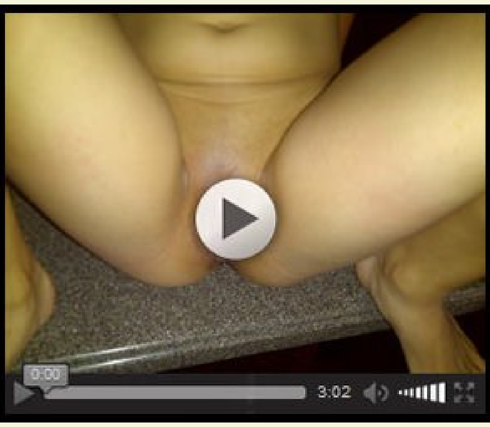

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रहती है. रश्मि बारहवीं की स्टूडेंट थी.

अब मैं लगभग हर तीसरे दिन उनके घर में सामान देने जाने लगा और इसी दौरान हमारी बातचीत भी होने लगी. धीरे-धीरे हम दोनों एक-दूसरे से परिचित हो गए और कुछ दोस्ती जैसी बात भी बन गई थी. मेरा मन तो उसे चोदने का था तो एक दिन मैंने उससे अपने दिल की बात कह दी कि मैं तुम्हें पसंद करने लगा हूँ.

कहते हैं कि जब भगवान दयालु हो तो जो आपके मन में हो, सब आपको मिल जाता है. सो भगवान की दया से उसकी 'हां' भी हो गई और जॉब में मेरा प्रमोशन भी हो गया.

समय मिलते ही हम दोनों फ़ोन पर बात करने लगे और कभी-कभी चुम्मा-चाटी भी होने लगी. पर ये साला सेक्स इतनी मादरचोद आइटम है कि जब एक बार चस्का लग जाए, तो बस आदमी गया काम से.
इसी के चलते मैंने उससे सेक्स के लिए पूछ लिया और उसे भी कोई ऐतराज नहीं था क्योंकि वो भी मुझे लव करने लगी थी. अब बात थी टाइम और प्लेस की, तो वो भी मैंने सैट कर लिया और हम दोनों चल पड़े प्यार के उस दरिया की ओर, जिसका ना तो कोई किनारा है और न ही गहराई की कोई सीमा है.

जगह की व्यवस्था करने के बाद पहला काम था कि उस रात को यादगार बनाना और इसके लिए जरूरत थी कुछ तैयारियां करने की ; तो सबसे पहले मैंने उस कमरे को सजाने के बारे में सोचा ; मैंने उसे डेकोरेट करवाया और खुद भी पूरी तरह तैयार होकर वहां तय वक्त के आधा घंटा पहले पहुँच गया ताकि मैं उसकी हर एक प्रतिक्रिया देख सकूं.
मैं बस एक तरफ छिप कर उसके आने का इंतज़ार करने लगा.

वो ठीक दस बजे पहुँच गई और कमरे की सजावट देखकर एकदम हैरानी से इधर-उधर देखने लगी. फिर खुद ही बिस्तर पर लेट कर मेरा इंतज़ार करने लगी. अब मैं तो वहां पर

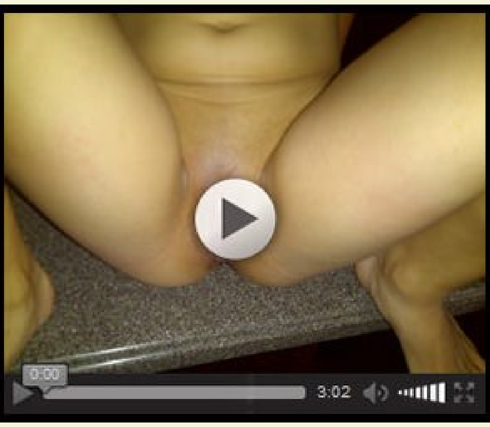

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पहले से ही पहुँचा हुआ था तो मैंने भी ज्यादा वेट न करवाते हुए उसको जा दबोचा. हम एक-दूसरे को चुम्बन करते हुए आपस में बंध गए. कुछ मिनट के इस चुम्बन के बाद मैंने अपने हाथ सरकाते हुए उसकी कमर और फिर उसकी चुत के ऊपर पर हाथ चलाना शुरू कर दिया.

वो भी चुदासी थी तो मेरे साथ चुत रगड़वाने का मजा लेने लगी. मैं उसको घुमाकर खुद उसकी पीठ की तरफ हो गया. अब मेरे हाथ उसके मुलायम दूध की थैलियों यानि उसके मम्मों पर जम गए थे.

वो मुझे मेरे कान के पास किस करने लगी. अपने दूध मसले जाने के चलते वो भी काफी गर्म हो चुकी थी. जिसकी वजह से उसकी मादक सिसकारियां निकल रही थीं. उसके मुँह से 'आह उम्म्ह… अहह… हय… याह… ऊहह..' की मदभरी आवाजें आ रही थीं.

अब मैंने उसके कपड़े उतारने में कोई देर न करते हुए जल्दी से उसकी कमीज को उतार दिया. उसका हाथ भी अब मेरे लंड पर आ पहुंचा था. उसका हाथ लगते ही लंड महाराज भी पूरी तरह से अकड़ में आ गए थे.
उसकी कमीज और सलवार उतारने के बाद मैंने उसको अपनी तरफ करते हुए निहारा तो मेरे होश ही उड़ गए. कमाल का तराशा हुआ 34-30-36 का एकदम बेदाग़ गोरा बदन मेरे सामने नंगा था. बस बसंती रंग की छोटी से ब्रा-पेंटी उसके निप्पलों और चुत के छेद को ढके हुए थीं.. उसकी जवानी बड़ी कातिल लग रही थी. इसके साथ ही उसका मादक अंगड़ाई लेते हुए सिसकना और उसकी आँखों में चढ़ता हुआ सेक्स का खुमार मुझे पागल बना रहा था.

मैंने लंड सहलाते हुए उससे बिस्तर पर लेटने के लिए इशारा किया, पर उससे पहले उसका इशारा मेरे कपड़ों को लेकर था. सो मैंने नशीले अंदाज में कह दिया- जान, मैंने आपके कपड़े उतारे हैं, तो अब आपकी बारी है.

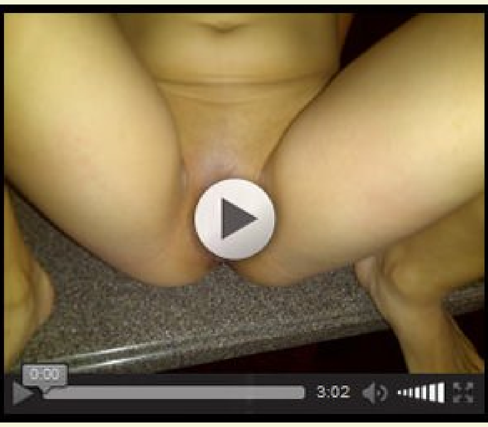

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इस पर वो हल्का सा मुस्कराई और खुद ही मेरे कपड़े उतारने के लिए मेरे करीब आते हुए जुट गई. इस दौरान मैंने अपना हाथ उसकी पेंटी में डाला तो पाया कि उसकी चुत के पानी से पेंटी लगभग पूरी गीली हो चुकी थी.
मेरा हाथ चुत पर लगते ही वो उचक गई.

कुछ ही पलों बाद मैं सिर्फ एक बॉक्सर में खड़ा था. मेरा अकड़ा हुआ लम्बा लंड बॉक्सर के ऊपर से ही अपना पहाड़ दिखा रहा था. मेरा लंड उसकी चुत में घुसने के लिए बेताब था. मैंने उसे पूरा नंगा लेटा कर थोड़ी देर फोरप्ले लिया. मैं भी एकदम नग्न हो चुका था और इस खेल में उसके चूचुकों को चूसना और उसकी चूत से खेलना शामिल हो चुका था.

मुझे चूत चाटना पसंद नहीं है तो मैंने भी उससे लंड को मुँह में लेने के लिए नहीं कहा.

अब हम उस मुकाम पर आ चुके थे, जहाँ से परम आनन्द की सीढ़ियाँ शुरू हो जाती हैं.

रश्मि मेरे नीचे नंगी सिसकार रही थी और मुझे कुछ करने को कह रही थी. मैंने भी देर ना करते हुए अपना लंड उसकी कुंवारी चूत पर रखा और झटका लगा दिया. मेरे लंड का सुपारा उसकी मुनिया में जा फंसा, थोड़ी तकलीफ तो उसे हुई, पर उसने कोई परवाह नहीं की. वो बस मुझे किस करने में बिजी रही, लेकिन मेरा अगला धक्का लगते ही उसका शरीर जैसे कांप उठा, उसकी साँसें तेज हो गईं और वो मुझे ऊपर से हटाने की कोशिश करने लगी.

मुझे मालूम था कि अगर एक बार नीचे से निकल गई तो फिर दुबारा हाथ नहीं आएगी, मैंने उसको जोर से पकड़े रखा और उसके सयंत होने तक धक्के न लगाने का निर्णय ले लिया.

लेकिन आदमी तो आखिर आदमी है, मैं ज्यादा देर तक संयम न रख सका और मैंने धक्के मारने शुरू कर दिए. शायद अब उसे इतना दर्द नहीं हो रहा था तो उसने भी मुझे नहीं रोका

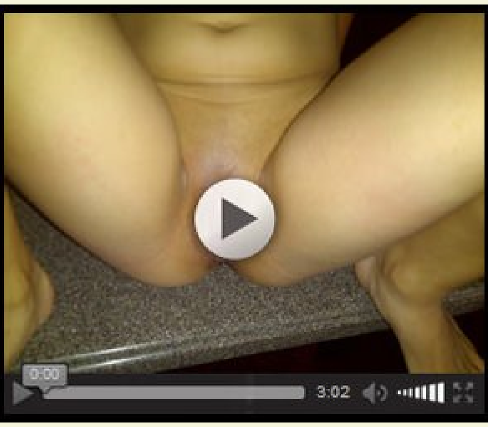

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और हमारी चुदाई अब स्पीड में चलने लगी.

कुछ ही पलों में कमरा उसकी मादक सिसकारियों से गूंजने लगा. पूरे कमरे में हम दोनों की 'आआह.. आह.. और फच.. फच..' की आवाजें गूँजने लगीं या फिर हमारी तेज होती साँसों का शोर था.

लगभग दस मिनट में मेरा काम हो गया, पर इससे पहले उसका स्खलन भी एक बार हो चुका था. तेज धक्कों से वो फिर से गर्म हो चुकी थी और मेरा माल छूटते ही उसका दोबारा से उसकी चुत ने पानी छोड़ दिया.

हम दोनों एक-दूसरे की बांहों में चिपक गए और वीर्य व रज के मिलन को होने देने लगे.

इसके बाद हम आराम करने के लिए लेट गए.

मेरी कहानी पर आप अपनी राय दीजिए, फिर मिलेंगे.
आपका अपना सैंडी शर्मा
deepkaushal4@gmail.com

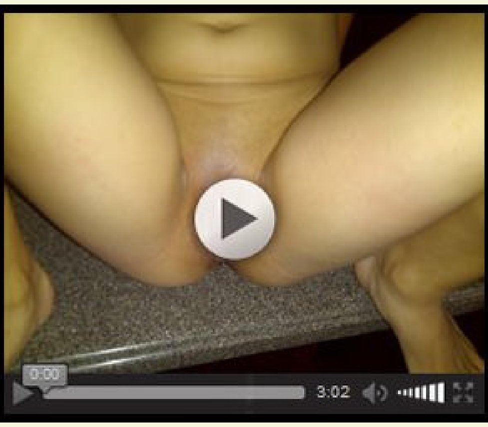

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Urdu Sex Stories

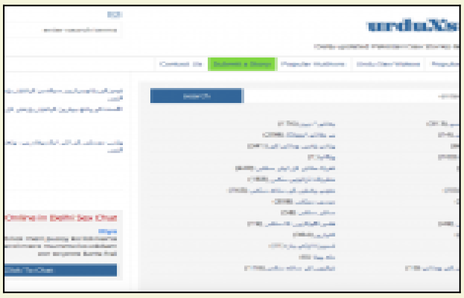

URL: www.urduxstories.com **Average traffic per day:** 6 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Story **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex stories & hot sex fantasies.

Tanglish Sex Stories

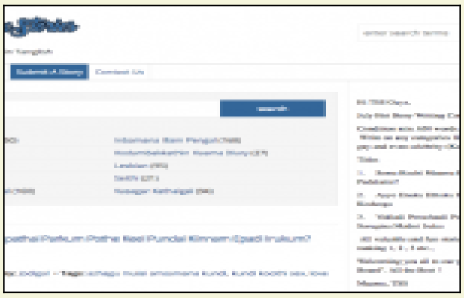

URL: www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.

Antarvasna Hindi Stories

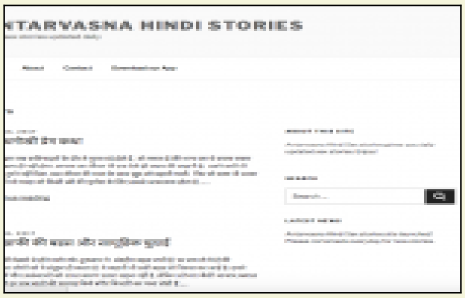

URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Desi Kahani

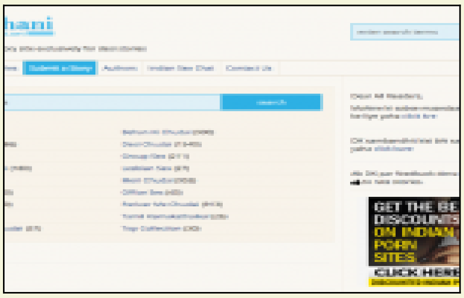

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire